मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, भोपाल का त्रैमासिक न्यूज लेटर

जैवविविधता

अंक – 4

जनवरी – मार्च 2024

संपादकीय

व्ही. एन. अम्बाड़े
प्रधान मुख्य वन संरक्षक
एवं सदस्य सचिव

जैवविविधता अधिनियम, 2002, एवं मध्यप्रदेश जैवविविधता नियम, 2004 तथा जैविक संसाधनों तक पहुँच और सहयुक्त जानकारी तथा फायदा बंटाना विनियम, 2014 (विनियम, 2014) के प्रावधानों के अंतर्गत जैवविविधता संरक्षण एवं संवर्धन, जैवसंसाधनों का संवहनीय उपयोग तथा लाभों का साम्यपूर्ण प्रभाजन के क्रियान्वयन हेतु जैवविविधता प्रबंधन समितियों का गठन प्रावधानित है। इस हेतु प्रदेश में जैवविविधता अधिनियम, 2002 की धारा 41 (1) एवं मध्य प्रदेश जैवविविधता नियम, 2004 के नियम 23 (1) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रत्येक स्थानीय निकाय स्तर (पंचायत एवं नगरीय निकाय) पर 23,557 जैवविविधता प्रबंधन समितियों का गठन किया गया है।

जैवविविधता नियम, 2004 (केन्द्र) के नियम 22 (6) तथा मध्यप्रदेश जैवविविधता नियम, 2004 के नियम 23 (9) अनुसार जैवविविधता प्रबंधन समिति का मुख्य कार्य स्थानीय लोगों के परामर्श से लोक जैवविविधता पंजी का अद्यतनीकरण किया जाना प्रावधानित है। लोक जैवविविधता पंजी में स्थानीय जैविक संसाधनों की उपलब्धता और ज्ञान, उनके औषधीय या किसी अन्य उपयोग या उनसे जुड़े किसी भी अन्य पारंपरिक ज्ञान की व्यापक जानकारी का समावेश किया गया है। बोर्ड द्वारा जैवविविधता प्रबंधन समितियों को लोक जैवविविधता पंजी के अद्यतन कार्य हेतु मार्गदर्शन तथा तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही मैदानी स्तर के जैवविविधता से सरोकार रखने वाले विभागों द्वारा डिजिटल एवं डायनामिक लोक जैवविविधता पंजी को निरंतर अपडेट किये जाने में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। जैवविविधता सरंक्षण एवं संवर्धन तथा लोक जैवविविधता पंजी अद्यतन कार्य में स्थानीय समुदाय, स्थानीय निकायों, जैवविविधता प्रबंधन समितियो एवं जैवविविधता से साझा सरोकार रखने वाले विभागों द्वारा सक्रिय सहयोग प्रदान किया जायेगा।

जैवविविधता अधिनियम, 2002, एवं जैवविविधता नियम, 2004 के उदेश्य अनुसार जैवसंसंसाधनों से उदभूत लाभों के साम्यपूर्ण प्रभाजन किया जाना प्राधानित है। इस परिप्रेक्ष्य में प्रावधान अनुसार जैवसंसाधनों का वाणिज्यिक उपयोग करने वाले व्यापारी एवं विनिर्माताओं द्वारा साम्यापूर्ण लाभ प्रभाजन की राशि बोर्ड प्रदान की जा रही है।

लोक जैवविविधता पंजी अद्यतन कार्य तथा लाभ प्रभाजन की राशि से मैदानी स्तर पर जैवविविधता संरक्षण का कार्य हेतु स्थानीय निकायों पर गठित जैवविविधता प्रबंधन समितियों का सक्रियकरण आवश्यक है। जैवविविधता से साझा सरोकार रखने वाले मैदानी स्तर के विभागों (वन, कृषि, पशुपालन, मत्स्यपालन एवं उद्यानिकी) द्वारा जैवविविधता प्रबंधन समितियों के सक्रियकरण में सक्रिय सहयोग प्रदान किये जाने की अपेक्षा है।

शुभकामनाओं सहित।

(व्ही. एन. अम्बाड़े)
प्रधान मुख्य वन सरंक्षक एवं
सदस्य सचिव

1. मोगली बाल उत्सव कार्यक्रम – 2023

जैवविविधता संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन द्वारा मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, स्कूल शिक्षा विभाग एवं अन्य सहयोगी विभागों के माध्यम से विद्यालयीन छात्र–छात्राओं हेतु विगत 17 वर्षो से मोगली बाल उत्सव का आयोजन किया गया।

राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ लोक शिक्षण संचालनायल मध्यप्रदेश भोपाल के नोडल अधिकारी, श्रीमती नीरजा गोरे, एवं श्री एस.एस. कुमरे, जिला शिक्षा अधिकारी सिवनी एवं डॉ. बकुल लाड, सहायक सदस्य सचिव मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड भोपाल, श्री आर. आर, मेहता सहायक संचालक द्वारा हरी झंडी दिखाकर छात्रों को सफारी में भेजा गया। मोगली उत्सव में 50 जिले से मार्गदर्शी शिक्षकों एवं मोगली उत्सव प्रतियोगिता में चयनित कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग से एक–एक छात्र–छात्राएँ सम्मिलित हुए।

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड एवं लोक शिक्षण विभाग संचालनालय भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में प्रदेश में सोलहवें ''राज्य स्तरीय मोगली उत्सव'' 2024 का आयोजन पेंच राष्ट्रीय उद्यान, (पेंच टाईगर रिजर्व), जिला सिवनी में दिनांक 8 जनवरी से 10 जनवरी 2024 तक किया गया। प्रदेश के समस्त 52 जिलों के चयनित 226 विद्यार्थियो एवं 108 शिक्षकों द्वारा मोगली बाल उत्सव काग्रक्रम में भाग लिया। मोगली बाल उत्सव के दौरान सभी विद्यार्थीयों को अलग–अलग तीन समूहों में विभाजित किया गया। मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा बोर्ड के प्रशिक्षित सहकर्ताओं के सहयोग से राज्य स्तरीय बाल मोगली उत्सव में जैवविविधता आधारित निम्नानुसार प्रमुख गतिविधियों का संचालन किया गया।

मोगली कैम्प गतिविधियॉ –

(क) नेचर ट्रेल

छात्र–छात्राओं, सहजकर्ता, शिक्षकगणों एवं गाईडों द्वारा छात्र–छात्राओं को पेंच टाईगर रिजर्व के समीप पूर्व निर्धारित ट्रेक पर ट्रेल करवायी गयी। इस दौरान प्रतिभागियों को पेंच टाईगर रिजर्व के पारिस्थितिकीय तंत्र, विशेषकर जीव–जंतुओं तथा वनस्पतियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई तथा उनके जैवविविधता आधारित प्रश्नों, जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

(ख) ट्रेजर हंट एवं हेबिटेट सर्च

ट्रेजर हंट एवं हेबिटेट सर्च में प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के वनस्पतियों एवं जीव–जन्तुओं से संबंधित पहेलियों के माध्यम से जीव–जंतुओं के विभिन्न प्राकृतिक रहवास अथवा कृत्रिम आवास के संबंध में प्रतिभागियों को पहचान करवाई गयी।

(ग) पार्क सफारी

पेंच टाईगर रिजर्व के सहयोग से प्रतिभागियो को जिप्सी वाहनों में पार्क में भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षित सहजकर्ता, शिक्षकगणों एवं गाईड द्वारा छात्र–छात्राओं को पेंच टाईगर रिजर्व के जीव–जंतुओं तथा वनस्पतियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई।

(घ) चित्रकला तथा जैवविविधता क्विज़ प्रतियोगिता

बोर्ड के सहयोग से स्कूली छात्र–छात्राओं द्वारा जैवविविधता से संबंधित चित्रकला पेटिंग तैयार की गई। समस्त चित्रकला को कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर बोर्ड के तकनीकी विशेषज्ञों श्री शुभम सिंह पंकज एवं सुश्री शिवानी शर्मा द्वारा जैवविविधता पर आधारित क्विज़ का आयोजन दिनांक 09.01.2024 को किया गया। मोगली उत्सव में उपस्थित 52 जिलों के सभी विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में उत्सह के साथ भाग लिया। बोर्ड द्वारा विजेता प्रतिभागियों को ''Threatened Birds of Madhya Pradesh'' पुरुस्कार के रूप में प्रदान की गई।

राज्य स्तरीय मोगली उत्सव 2023 किट वितरण एवं कार्यक्रम शुभारंभ

मोगली बाल उत्सव –2023 का आयोजन पेंच राष्ट्रीय उद्यान जिला सिवनी में 8–10 जनवरी 2023 की अवधि में सम्पन्न किया गया। मोगली उत्सव की अवधि में प्रतिभागी छात्र–छात्राएँ, शिक्षक–शिक्षिकाएँ, सहजकर्ता शिक्षक, रिसोर्स पर्सन, जैवविविधता मास्टर ट्रेनर मोगली बाल उत्सव के सहयोगी विभागों (वन–पेंच टाईगर रिजर्व, ईको टूरिज्म बोर्ड जैवविविधता बोर्ड) एप्को, भोपाल ,स्काउट गाइड, पर्यटन, पुलिस एवं मीडिया तथा समापन समारोह में आमंत्रित अतिथियों को किट प्रदान की गई है। किट में बैग व कैप ईको टूरिज्म बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराई गई। कार्यालय, जिला शिक्षा अधिकारी–सिवनी द्वारा ईयरबैण्ड एवं पानी वॉटल कार्यक्रम स्थल पर छात्र–छात्राओं को सामग्री वितरित की गई है, यह सामग्री बोर्ड को प्राप्त नही हुई। किट वितरण से पूर्व ईको टूरिज्म बोर्ड से 499 नग टोपी एवं बैग सामग्री श्री सुमित रैगे ''वन परिक्षेत्र अधिकारी'' पेंच एवं सियाराम उइके ,वन परिक्षेत्र अधिकारी–खवासा द्वारा दिनांक 07/01/24 को सांय 06 बजे कार्यक्रम स्थल पर वितरण कराया गया। जैवविविधता बोर्ड द्वारा किट बैग में टी शर्ट, मोगली स्मारिका, मोगली की डायरी, जलवायु परिवर्तन पुस्तिका, नेम टैग, स्टीकर, पैन सामग्री प्रदान किया गया। किट वितरण का कार्यक्रम आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश भोपाल के पत्र क्रमांक 3246 दिनांक 06.12.2023 द्वारा नामांकित सहजकर्ता शिक्षकों के द्वारा राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव कार्यक्रम हेतु दिनांक 20.10.2023 को बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार सहजकर्ता शिक्षक, मास्टर ट्रेनर व रिसोर्स पर्सन द्वारा मोगली किट किपलिंग कोर्ट के सभागार में किट तैयारी की गई। प्रतिभागी छात्र–छात्राएँ एवं सहयोगी विभागों के प्रतिनिधियो प्रदेश के 50 जिलो के प्रतिभागी छात्र–छात्राएं,जिला– भिण्ड एवं छतरपुर के छात्र–छात्राए व शिक्षक अनुपस्थित रहे, स्काउड गाईड के छात्र–छात्राएँ – जिला छिन्दवाड़ा,स्काउड गाईड के छात्र–छात्राएँ – जिला सिवनी, जिला शिक्षा अधिकारी सिवनी द्वारा चयनित छात्र–छात्राएँ, 50 जिलों के मार्गदर्शी शिक्षक–शिक्षिकाएँ, स्काउड गाईड के शिक्षक/शिक्षिकाएँ – जिला सिवनी एवं छिन्दवाड़ा,सहजकर्ता एवं (रिसोर्स पर्सन) जिला छिन्दवाड़ा एवं सिवनी, जिला शिक्षा अधिकारी सिवनी के प्रतिनिधि, वन विभाग/पेंच टाईगर रिजर्व सिवनी के मार्गदर्शी गाईड, प्रतिनिधि, इकोटूरिज्म बोर्ड भोपाल के प्रतिनिधि, मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड तकनीकी विशेषज्ञ/प्रतिनिधि,पर्यावरण एवं समन्वय संगठन (एप्को) भोपाल के प्रतिनिधि, नेचर ट्रेल व हेबिटेट सर्च के सहयोगी मास्टर ट्रेनर, लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल प्रतिनिधि व नमूना किट, पर्यटन विभाग भोपाल के प्रतिनिधि, सुरक्षा व्यवस्था प्रतिनिधि, एम.पी.टी. प्रतिनिधि, कार्यक्रम समापन समारोह (अतिथि मंच), सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागी, मोगली लैण्ड प्रेस मीडिया एवं जैवविविधता प्रबंधन समिति – प्रतिनिधि (दिनांक 07.01.2024) को किट वितरण किया गया।

राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव –2023–24 कार्यक्रम का शुभारंभ

लोक शिक्षण संचालनयल, मध्यप्रदेश भोपाल श्रीमती नीरजा गोरे नोडल अधिकारी एवं श्री एस.एस. कुमरे, जिला शिक्षा अधिकारी सिवनी एवं डॉ. बकुल लाड, सहायक सदस्य सचिव मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड भोपाल, द्वारा सभी ग्रूप को पार्क सफारी, ट्रेजर हंट, नेचर ट्रेल, जंगल सफारी, हेबीटाइट सर्च कार्यक्रम दिनांक 08.01.2024 को प्रातः 6.00 बजे शुभारंभ किया गया।

छात्र–छात्राओं को तीन ग्रुप मोगली, बधीरा एवं का में विभाजित किया गया इसमें प्रथम ग्रुप सफारी, द्वितीय नेचर ट्रेल एवं तृतीय ग्रुप ट्रेंजर, हंट एवं हैबिटेट सर्च के लिए मार्गदर्शी शिक्षकों के साथ गये। छात्रों के लिए जैव विविधता क्विज प्रतियोगिता जैसे रोचक कार्यक्रमों को समाहित किया गया ताकि छात्र– छात्राएं प्रकृति की सुंदरता का आनंद ले सकें। पर्यावरण में बढ़ रहे विभिन्न प्रकार के प्रदूषण के कारण एवं निवारण पर मार्गदर्शन एवं जागरूकता के लिए आयोजन स्थल पर तीन दिवसीय पृथ्वी बचाओ प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया जिसमें प्रदूषण के कारण एवं उनके निवारण पर विज्ञान शिक्षक डॉ. दिनेश गौतम द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। वन्य जीवों की सुरक्षा हेतु छात्र–छात्राओं को जानकारी दी गई।

मोगली उत्सव के तृत्तीय दिवस 10 जनवरी को छिंदवाड़ा जिले से आये वरिष्ठ सहजकर्ता श्री के.के. मिश्रा के मार्गदर्शन में बच्चों के मध्य जैव विविधता अंताक्षरी तथा मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा स्पॉट क्विज प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है। शिक्षा विभाग से नामांकित शिक्षक (सहजकर्ता) मुरलीधर राव, मोतीराम पवार द्वारा मिलेट्स की प्रदर्शनी लगाई गई। अनाजों की सांस्कृतिक डिक्शनरी तैयार की गई जो बच्चों के मार्गदर्शन में बहुउपयोगी सिद्ध हुई है। श्रीमति अर्चना भारत के द्वारा मिलेटस की जानकारियां प्रस्तुत की गई है, श्री शाहिद अंसारी सहजकर्ता द्वारा मिलेट्स के पकवान बनाने की विधि बताई गई। श्री सुशील चौरसिया द्वारा पौधे को अंकुरित करने का प्रदर्शन किया गया, खुद लगाइए, खुद खाएँ, स्वस्थ रहिये का महत्व बताया गया। विजय आनन्द दुबे रिसोर्स पर्सन,द्वारा गीतों से गोगली मित्र आनन्दित हुये।

पेंच नेशनल पार्क सिवनी में प्रकृति से संवाद का महोत्सव राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव का समापन 10 जनवरी 2024 को सिवनी जिला कलेक्टर श्री क्षितिज सिंघल, श्रीमती नीरजा गोरे नोडल संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल, श्री एस.एस. कुमरे, जिला शिक्षा अधिकारी सिवनी एवं डॉ. बकुल लाड, सहायक सदस्य सचिव मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड भोपाल, एवं श्री लोचन मस्कोले, अध्यक्ष, नगर पालिका कुरई, जिला सिवनी, श्री आर.आर, मेहता सहायक संचालक की उपस्थिति में विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

समापन समारोह का शुभांरभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर एवं उपस्थित छात्राओं द्वारा मां सरस्वती की वंदना से किया गया। कलेक्टर श्री क्षितिज सिंघल, जिला शिक्षा अधिकारी जी द्वारा तीन दिवसीय कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुतीकरण एवं मुख्य अतिथियों द्वारा मोगली उत्सव में उपस्थित प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को संबोधित किया गया। उन्होने प्रकृति को गहराई से जानने, वन–वन्यप्राणी, जीव–जन्तु एवं पर्यावरण से जुड़ने, जंगल के औषधीय पौधों के महत्व को समझने एवं अन्य जैवविविधता संरक्षण के सुझावों को छात्र–छात्राओं से सांझा किया।

डॉ. बकुल लाड, सहायक सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, भोपाल द्वारा आमंत्रित सहजकर्ताओं का सम्मान एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। बोर्ड द्वारा प्रकाशित मोगली की पत्रिका का विमोचन कलेक्टर श्री क्षितिज सिंघल एवं अतिथियों द्वारा किया गया।

कलेक्टर श्री क्षितिज सिंघल, कलेक्टर जिला– सिवनी, द्वारा मोगली उत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रम की निरंतर मॉनीटरिंग की गई एवं आयोजित गतिविधियों में, उनके द्वारा, भाग लिया गया। समापन समारोह में जैवविविधता संबंधित, वन एवं वन्य प्राणी से जुड़े एवं पर्यावरण संरक्षण आधारित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को मुख्य अतिथि की उपस्थिति में नियुक्त सहजकार्ताओं के सहयोग से जैवविविधता बोर्ड द्वारा पुरस्कृत किया गया।

जिला कलेक्टर श्री क्षितिज सिंघल एवं श्रीमती नीरजा गोरे नोडल संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल, श्री एस.एस. कुमरे, जिला शिक्षा अधिकारी सिवनी एवं डॉ. बकुल लाड, सहायक सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड भोपाल द्वारा मोगली स्मारिका एवं मोगली की डायरी पुस्तक का विमोचन किया गया।

मोगली बाल उत्सव में हुई विभिन्न गतिविधियां

जैसे– नेचर ट्रेल, जंगल सफारी, हेबीटाइट सर्च, चित्रकला, जैवविविधता प्रदर्शनी एवं जैवविविधता ढूंढो खेल

विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुए विद्यार्थी

विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुए विद्यार्थी

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा आयोजित ऑन स्टॉप क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के तकनीकी विशेषज्ञों श्री विजेश हरियाले, श्री यशवंत सिंह, श्री महेन्द्र राहंगडाले, मास्टर ट्रेनर द्वारा जैवविविधता पर आधारित क्विज़ का आयोजन दिनांक 10.01.2024 को किया गया। मोगली उत्सव में उपस्थित 50 जिलों के सभी विद्यार्थियों ने क्विज प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर भाग लिया। क्विज़ कार्यक्रम विभिन्न चरणों में कराया गया। अंतिम चरण तक पहुंचने वाले 3 विद्यार्थियों को बोर्ड एवं मुख्य अतिथि द्वारा समापन समारोह में पुरस्कृत किया गया।

2. राज्य स्तरीय हर्बल वन मेला – 2024

मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित (वन विभाग) मध्यप्रदेश शासन द्वारा भोपाल में दिनांक 24 से 28 जनवरी 2024 तक वन मेला 2024 का आयोजन किया गया। इस वर्ष के वन मेला की विषय वस्तु ''लघु वनोपज से समृद्धि'' थी। वन मेला का शुभारंभ दिनांक 24.01.2024 को माननीय राज्यपाल महोदय श्री मंगू भाई पटेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के माननीय वन मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, वन पर्यावरण एवं अनुसूचित जाति कल्याण मध्यप्रदेश शासन,श्री दिलीप अहिरवार, माननीय राज्य मंत्री वन, मध्यप्रदेश शासन एवं श्री जे. एन. कांसोटिया, मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित, मध्यप्रदेश शासन, श्री अभय कुमार पाटिल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, मध्यप्रदेश उपस्थित हुए।

श्री अभय कुमार पाटिल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, मध्यप्रदेश, श्री असीम श्रीवास्तव प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी वन विभाग मध्यप्रदेश, श्री डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्ययोजना ,श्री व्ही.एन.अम्बाड़े प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं सदस्य सचिव, डॉ. शमिता राजौरा अपर प्रधान मुख्य संरक्षक ईको पर्यटन बोर्ड,मध्यप्रदेश, पदमाप्रिया बालकृष्णन संचालक वन विहार राष्ट्रीय उद्यान वन विभाग मध्यप्रदेश आदि के द्वारा मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता की प्रदर्शनी का भ्रमण एवं अवलोकन किया गया। मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा जैवविविधता प्रदर्शनी स्टॉल पर जैवविविधता प्रबंधन समिति बीजापुर– जिला अनूपपुर, जिला–सिवनी, जिला–रीवा एवं जिला– छतरपुर के मास्टर ट्रेनरों द्वारा बोर्ड के स्टॉल में औषधीय पौधे, कंदमूल, धान्य फसलें, तिलहनी फसलें एवं सब्जियों के बीजो की प्रदर्शनी लगाई गई। जैवविविधता प्रदर्शनी में आगन्तुकों को प्रदर्शनी में प्रदर्शित जैवविविधता नमूनों से संबंधित विस्तारपूर्वक सम्पूर्ण जानकारी मास्टर ट्रेनरों द्वारा दी गई।

इस अवसर पर बोर्ड द्वारा संचालित प्रमुख गतिविधियों में स्पॉट क्विज़– 2024 का आयोजन किया गया एवं प्रत्येक दिवस के विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। बोर्ड द्वारा प्रचार सामग्री जिसमें जैवविविधता ब्रोशर, लिफलेट्स, जैवविविधता संरक्षण से संबंधित पुस्तक का वितरण किया गया। मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड भोपाल द्वारा प्रदर्शित की गई प्रदर्शनी मेले में लगभग पचास हजार व्यक्तियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

वन मेला 2024 के समापन दिनांक 28.01.2024 को मध्यप्रदेश के श्री नागर सिंह चौहान ,वन पर्यावरण एवं अनुसूचित जाति कल्याण मध्यप्रदेश शासन के मुख्य अतिथि, श्री दिलीप अहिरवार, माननीय राज्य मंत्री वन, मध्यप्रदेश शासन के मुख्य आतिथ्य में किया गया। श्री नारायण सिंह कुशवाह माननीय मंत्री एवं उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण शासन मध्यप्रदेश द्वारा मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता की प्रदर्शनी को द्वितीय पुरूस्कार (प्रमाण पत्र एवं ट्राफी) से सम्मानित किया गया।

दिनांक – 24 से 28 जनवरी 2024

श्री अभय कुमार पाटिल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, मध्यप्रदेश, श्री असीम श्रीवास्तव प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी वन विभाग मध्यप्रदेश, श्री व्ही.एन.अम्बाडे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं सदस्य सचिव मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा जैवविविधता बोर्ड की प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया।

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा स्पॉट क्विज़ का आयोजन एवं प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित (वन विभाग) मध्यप्रदेश शासन भोपाल द्वारा दिनांक 24 से 28 जनवरी 2024 तक आयोजित वन मेला 2024 में माननीय वन मंत्री श्री नागर सिहं चौहान द्वारा मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु द्वितीय स्थान प्रमाण पत्र एवं ट्राफी से सम्मानित किया गया।

3. वन मेला – 2024 जिला – अलीराजपुर

मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित (वन विभाग) मध्यप्रदेश शासन द्वारा भोपाल में दिनांक 22 से 24 जनवरी 2024 तक वन मेला 2024 जिला – अलीराजपुर में आयोजन किया गया।

वन मेला का शुभारंभ दिनांक 22.01.2024 को माननीय वन मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, वन पर्यावरण एवं अनुसूचित जाति कल्याण मध्यप्रदेश शासन, श्री दिलीप अहिरवार, माननीय राज्य मंत्री वन, द्वारा एवं श्री व्ही.एन. अम्बाड़े, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, एवं सदस्य सचिव मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड वनमेला जिला अलीराजपुर में मेला का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य द्वारा बोर्ड द्वारा औषधीय पौधे, कंदमूल, धान्य फसलें, तिलहनी फसलें एवं सब्जियों के बीजो की प्रदर्शनी लगाई गई। जैवविविधता प्रदर्शनी में आगन्तुकों को जैवविविधता प्रदर्शनी में जैवविविधता के नमूनों को बोर्ड के तकनीकी विशेषज्ञ द्वारा जानकारी प्रदान की गई।

डॉ. समिता राजौरा, अपर प्रधान मुख्य संरक्षक ईको पर्यटन बोर्ड भोपाल द्वारा मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड भोपाल की प्रदर्शनी (स्टॉल) जिला अलीराजपुर में भ्रमण एवं अवलोकन किया गया एवं वन मेला कार्यक्रम समापन में मुख्य अतिथ माननीय श्री तुलसी सिलावट, मंत्री जल, संसाधन विभाग, मध्यप्रदेश शासन के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

वन मेला – 2024 जिला अलीराजपुर में जैवविविधता प्रदर्शनी (स्टॉल) में जैवविविधता के नमूनों को प्रदर्शित किया गया।

4. ग्रामोदय मेला – 2024 चित्रकूट जिला सतना

दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट जिला सतना, मध्यप्रदेश द्वारा दिनांक 25 से 27 फरवरी, 2024 तक में मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, भोपाल द्वारा भाग लिया गया। मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, भोपाल द्वारा प्रदर्शनी स्टॉल के माध्यम से कार्य क्षेत्र अंतर्गत उपलब्ध जैवसंसाधन, विलुप्त प्रजातियों के पौधे /फल/बीज एवं जैवविविधता प्रबंधन समितियों द्वारा किये जा रहे जैवविविधता संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित कार्यों का प्रदर्शन किया गया तथा जैवविविधता जागरूकता संबंधित प्रचार–प्रसार सामग्री का वितरण किया गया। प्रदर्शनी स्टॉल में ग्रामोदय मेला–2024, चित्रकूट के विशिष्ट अतिथि – संत श्री सदुगरू रिक्तेश्वर जी महाराज, श्री अभय महाजन, संगठन सचिव एवं माननीय श्री गणेश सिंह, सांसद, सतना, एवं अन्य अधिकारीगण आगंतुओं द्वारा प्रदर्शनी स्टॉल का अवलोकन किया गया। जैवविविधता प्रदर्शनी

ग्रामोदय मेला प्रदर्शनी 2024 में मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, भोपाल बोर्ड द्वारा श्री विजेश हरियाले, तकनीकी विशेषज्ञ (पी.बी.आर.), श्री यशवंत सिंह, कम्प्यूटर ऑपरेटर, मास्टर ट्रेनर, श्री नेपाल सिंह, ग्राम–पोस्ट गोविंदगढ़, जिला– रीवा, श्री हेमंत रेकवार, ग्राम–दिदवारा, तहसील लवकुशनगर, जिला– छतरपुर द्वारा भाग लिया गया। ग्रामोदय मेला–2024, चित्रकूट समापन के अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट जिला–सतना, मध्यप्रदेश द्वारा मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, भोपाल को प्रदर्शनी स्टॉल की प्रशंसा करते हुए सहभागिता प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया।

दीनदयाल शोधसंस्थान चित्रकूट संगठन सचिव द्वारा बोर्ड जैवविविधता प्रदर्शनी स्टॉल में सहभागिता हेतु प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

5. वन वृत्त स्तरीय कार्यशाला (वनवृत्त – सागर)

जैवविविधता अधिनियम, 2002, म.प्र. जैवविविधता नियम, 2004 के अंतर्गत गठित जैवविविधता प्रबंधन समितियों के सक्रियकरण, लोक जैवविविधता पंजी के निर्माण एवं जैवसंसाधनों का वाणिज्यिक उपयोग करने वाले व्यापारियों से लाभ प्रभाजन के संबंध में सागर वनवृत्त की कार्यशाला वनमण्डल– दक्षिण सागर, कार्यालय में दिनांक 27 फरवरी, 2024 को पूर्वान्ह 10.30 बजे से आयोजित की गई। कार्यशाला में श्री अनिल कुमार सिंह, मुख्य वन संरक्षक, वन वृत्त –सागर म.प्र., श्री एम.पी.सिंह, वनमंडलाधिकारी, क्षेत्रीय वनमण्डल– दक्षिण सागर म. प्र., श्री चंद्रशेखर सिंह, वनमंडलाधिकारी, क्षेत्रीय वनमण्डल– उत्तर सागर म.प्र., डॉ. एलीज़ाबेथ थॉमस, सहायक सदस्य सचिव, (बॉयो), म.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड, श्री विवेक पाण्डेय, तकनीकी विशेषज्ञ, (एनआरएम), म.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड, सुश्री शिवानी शर्मा तकनीकी विशेषज्ञ, (पीबीआर), म.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड, एवं कार्यशाला में वनवृत्त सागर अंतर्गत दक्षिण, उत्तर सागर तथा दमोह वनमंडलों के वनपरिक्षेत्र अधिकारी, वन रक्षक, पी.आई–कोपीआई, मास्टर ट्रेनर्स, जैवसंसाधनों का व्यापार करने वाले व्यापारी उपस्थित हुए।

1. कार्यशाला के प्रारंभ में सहायक सदस्य सचिव, (बॉयो) डॉ. एलीज़ाबेथ थॉमस द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को कार्यशाला के उद्देश्यों एवं उपयोगिता के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया गया, एवं वनवृत्त सागर अंतर्गत वनमण्डलों द्वारा जैवविविधता अधिनियम, 2002 प्रावधानों अंतर्गत एबीएस की प्रक्रिया की समीक्षा की गई। साथ ही वन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों, मास्टर ट्रेनर्स एवं पी.आई., को–पी.आई. को जैवविविधता प्रबंधन समितियों के सक्रीयकरण एवं लोक जैवविविधता पंजी निर्माण/अद्यतनीकरण कार्य एवं लाभ प्रभाजन के संबंध में विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही अधिकारी, कर्मचारियों एवं उपस्थित व्यापारियों को जैवविविधता अधिनियम, 2002, मध्यप्रदेश जैवविविधता नियम, 2004 एवं विनियम, 2014 के प्रावधानों के अंतर्गत वनमण्डलों की अद्यतन प्रगति के विषय में जानकारी प्रदान की।

2. जैवविविधता प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं कर्मचारियों को क्षेत्रीय वनमण्डल स्तर पर व्यापारियों से लाभ प्रभाजन कार्यवाही को सुनिश्चित करते समय बोर्ड द्वारा निर्धारित मानक प्रक्रिया (SOP) का पालन सुनिश्चित करने एवं लाभ प्रभाजन की कार्यवाही की प्रक्रिया बावत् बोर्ड के प्रतिनिधियों एवं जैवविविधता प्रबंधन समितियों के सुदृढीकरण एवं सक्रियकरण के साथ लोक जैवविविधता पंजी निमार्ण, उपस्थित वैद्य से लोक जैवविविधता पंजी में आने वाले पारंपरिक ज्ञान के संबंध में एवं पीबीआर के विभिन्न प्रपत्रों के बारे में उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों तथा मैदानी अमलों को जानकारी प्रदान की गई। वनमंडलाधिकारी, क्षेत्रीय वनमण्डल–दक्षिण एवं उत्तर सागर द्वारा वनमण्डलों में लाभ प्रभाजन की कार्यवाही की प्रक्रिया में तेजी लाने एवं जैवविविधता प्रबंधन समितियों के सुदृढीकरण एवं सक्रियकरण के साथ लोक जैवविविधता पंजी निमार्ण के संबंध में उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों तथा मैदानी अमलों को अवगत कराया गया।

3. जैवसंसाधनों के व्यापार में एबीएस का भुगतान किये जाने पर अपना पक्ष रखा गया। बोर्ड द्वारा उन्हें जैवविविधता अधिनियम, 2002 के प्रावधान अंतर्गत लाभ प्रभाजन किये जाने की अनिवार्यता की जानकारी प्रदान की गयी। वनमंडलाधिकारी, क्षेत्रीय वनमण्डल– दक्षिण एवं उत्तर सागर, वन वृत्त सागर द्वारा क्षेत्रीय वन अमलों, वनमण्डलों के जैवविविधता प्रकोष्ठ के अधिकारी/कर्मचारियों को जैवविविधता अधिनियम, 2002 अंतर्गत लाभ प्रभाजन जैवविविधता प्रबंधन समितियों के सुदृढीकरण एवं सक्रियकरण के साथ लोक जैवविविधता पंजी निमार्ण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की गई। उप वनमंडलाधिकारी, वनमण्डल – दक्षिण सागर द्वारा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद कर कार्यशाला समाप्त किया गया।

वनवृत्त – सागर अंतर्गत वनमण्डलों की दिनांक 27 फरवरी, 2024 को दक्षिण सागर वनमण्डल जिला –सागर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

6. वन वृत्त स्तरीय कार्यशाला (वनवृत्त – उज्जैन)

जैवविविधता अधिनियम, 2002 के अंतर्गत लाभ प्रभाजन, जैवविविधता प्रबंधन समितियों के सक्रियकरण एवं लोक जैवविविधता पंजी के निर्माण कार्य हेतु उज्जैन वन वृत्त अंतर्गत वनमण्डलों की दिनांक 29 फरवरी, 2024 को उज्जैन वनमण्डल में कार्यशाला आयोजन किया गया।

कार्यशाला में श्री व्ही. एन. अम्बाड़े, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं सदस्य सचिव, म.प्र.रा.जै. बोर्ड, म.प्र., श्री एम. आर. बघेल, मुख्य वन संरक्षक, वन वृत्त –उज्जैन म.प्र., श्री किरण बिसेन, वनमंडलाधिकारी, क्षेत्रीय वनमण्डल– उज्जैन म.प्र., श्री प्रदीप मिश्रा, वनमंडलाधिकारी, क्षेत्रीय वनमण्डल– देवास म.प्र., श्री संजय रायखेरे, वनमंडलाधिकारी, क्षेत्रीय वनमण्डल– मंदसौर म.प्र., श्री मंयक चांदीवाल, वनमंडलाधिकारी, क्षेत्रीय वनमण्डल– शाजापुर म.प्र., श्री शिवकरण अटोदे, वनमंडलाधिकारी, क्षेत्रीय वनमण्डल– नीमच म.प्र., श्री ध्यान सिंह निंगवाल, वनमंडलाधिकारी, वनमण्डल– रतलाम म.प्र., डॉ. बकुल लाड, सहायक सदस्य सचिव, (सी एण्ड डी), म.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड, श्री विवेक पाण्डेय, तकनीकी विशेषज्ञ, (एनआरएम), म.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड एवं श्री शुभम पंकज, तकनीकी विशेषज्ञ, (पीबीआर), म.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में कुल 51 वनवृत्त उज्जैन अंतर्गत उज्जैन, रतलाम, नीमच, मंदसौर, देवास एवं शाजापुर वनमंडलों के वनपरिक्षेत्र अधिकारी, वन रक्षक, पी.आई–कोपीआई, मास्टर ट्रेनर्स, जैवसंसाधनों का व्यापार करने वाले व्यापारी उपस्थित हुए।

1. कार्यशाला के प्रारंभ में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं सदस्य सचिव, म.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड, श्री व्ही. एन. अम्बाड़े द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को कार्यशाला के उद्देश्यों एवं उपयोगिता के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया गया, एवं वनवृत्त उज्जैन अंतर्गत वनमण्डलों द्वारा जैवविविधता अधिनियम, 2002 प्रावधानों अंतर्गत एबीएस की प्रक्रिया की समीक्षा की गई। इसके साथ ही जैवविविधता प्रबंधन समितियों के सक्रियकरण एवं लोक जैवविविधता पंजी निर्माण/अद्यतनीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि वन मण्डलों में जैवविविधता संरक्षण संवर्धन गतिविधियों, लाभ प्रभाजन एवं लोक जैवविविधता पंजी अद्यतनीकरण और प्रशिक्षण के कार्य में विशेष प्रगति एवं ध्यान देने की आवश्यकता है जिससे भविष्य में जैवविविधता का संरक्षण सुनिश्चित हो सके।
2. बोर्ड के सहायक सदस्य सचिव, (सी एण्ड डी) डॉ. बकुल लाड़ द्वारा वन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों, मास्टर ट्रेनर्स एवं पी.आई., को–पी.आई. को जैवविविधता प्रबंधन समितियों के सक्रीयकरण एवं लोक जैवविविधता पंजी निर्माण/अद्यतनीकरण कार्य एवं लाभ प्रभाजन के संबंध में विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
3. कार्यशाला में उपस्थित जैवविविधता प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं कर्मचारियों को क्षेत्रीय वनमण्डल स्तर पर व्यापारियों से लाभ प्रभाजन कार्यवाही को सुनिश्चित करते समय बोर्ड द्वारा निर्धारित मानक प्रक्रिया (SOP) का पालन सुनिश्चित करने एवं लाभ प्रभाजन की कार्यवाही की प्रक्रिया बावत् बोर्ड के प्रतिनिधियों द्वारा समझाइश दी गई एवं जैवविविधता प्रबंधन समितियों के सुदृढीकरण एवं सक्रियकरण के साथ लोक जैवविविधता पंजी निमार्ण के संबंध में एवं पीबीआर के विभिन्न प्रपत्रों के बारे में उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों तथा मैदानी अमलों को जानकारी प्रदान की गई एवं कार्य में प्रगति हेतु प्रोत्साहित किया गया।
4. वनमंडलाधिकारी, क्षेत्रीय वनमण्डल– देवास द्वारा वनमण्डलों में लाभ प्रभाजन की कार्यवाही की प्रक्रिया में तेजी लाने एवं जैवविविधता प्रबंधन समितियों के सुदृढीकरण एवं सक्रियकरण के साथ लोक जैवविविधता पंजी निमार्ण के संबंध में उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों तथा मैदानी अमलों को जानकारी प्रदान की गई।
5. कार्यशाला में उज्जैन वनवृत्त अंतर्गत जैवसंसाधनों का व्यापार करने वाले व्यापारी भी उपस्थित हुए व्यापारियों द्वारा लाभ प्रभाजन से संबंधित अपने प्रश्न एवं शंकाऐं कार्यशाला में बताई गई जिसके बारे में बोर्ड के अधिकारियों द्वारा उन्हें जैवविविधता अधिनियम, 2002 के प्रावधान अंतर्गत लाभ प्रभाजन किये जाने की अनिवार्यता की जानकारी प्रदान की गयी।

6. कार्यशाला के अंत में मुख्य वन संरक्षक, वन वृत्त उज्जैन द्वारा अपने उद्‌बोधन में कहा कि इस कार्यशाला से क्षेत्रीय वन अमलों, वनमण्डलों के जैवविविधता प्रकोष्ठ के अधिकारी/कर्मचारियों को जैवविविधता अधिनियम, 2002 अंतर्गत लाभ प्रभाजन जैवविविधता प्रबंधन समितियों के सुदृढीकरण एवं सक्रियकरण के साथ लोक जैवविविधता पंजी निमार्ण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है। जो भविष्य में कार्य के सुचारू संचालन में उपयोगी सिद्ध होगी।

कार्यशाला का समापन उप वनमंडलाधिकारी, वनमण्डल – उज्जैन के द्वारा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद के साथ किया गया।

वनवृत्त –उज्जैन अंतर्गत वनमण्डल की जैवविविधता प्रबंधन समितियों के सक्रियकरण एवं लोक जैवविविधता पंजी के निर्माण कार्य के संबंध में दिनांक 29 फरवरी, 2024 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

7. नव नियुक्त ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों का आधारभूत प्रशिक्षण

बोर्ड द्वारा नव नियुक्त ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों का आधारभूत प्रशिक्षण एवं परीक्षा कार्यक्रम दिनांक 30.01.2024 के जैवविविधता अधिनियम, 2002, एवं मध्यप्रदेश जैवविविधता नियम, 2004 के प्रावधान के क्रियान्वयन हेतु सहायक सदस्य सचिव सी.एण्ड.डी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

नव नियुक्त ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों का आधारभूत प्रशिक्षण एवं परीक्षा कार्यक्रम दिनांक 30.01.2024

8. ''बॉयोडायवर्सिटी मॉनीटरिंग प्रोटोकॉल'' हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला जबलपुर

ग्रीन इंडिया मिशन अंतर्गत विकसित ''बॉयोडायवर्सिटी मॉनीटरिंग प्रोटोकॉल'' अंतर्गत Training of Trainers (TOTs) दिनांक 05.03.2024 से 06.03.2024 तक दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा ग्रीन इंडिया मिशन अंतर्गत आईसर, कोलकाता के सहयोग से जैवविविधता और पारिस्थितिकी सेवाओं के दीर्घकालिक अनुश्रवण हेतु ''बॉयोडायवर्सिटी मॉनीटरिंग प्रोटोकॉल'' विकसित किया गया है। बॉयोडायवर्सिटी मॉनीटरिंग प्रोटोकॉल के प्रशिक्षण हेतु जी.आई.एम अंतर्गत 18 वनमण्डलों से नामांकित वन परिक्षेत्र अधिकारी, वर्किंग प्लान अंतर्गत 08 वनमण्डलों से नामांकित वन परिक्षेत्र अधिकारी एवं बोर्ड के मास्टर ट्रेनर का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 05 एवं 06 मार्च 2024 को राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में आयोजित की गयी।

कार्यशाला में श्री. व्ही. एन. अम्बाडे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, भोपाल (म.प्र.), श्री. प्रदीप वासूदेवा, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं संचालक, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर (म.प्र.), श्री. रविन्द्र मणि त्रिपाठी, वन संरक्षक एवं उप संचालक, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर (म.प्र.), डॉ. रॉबट जॉन चंदरन, परियोजना संचालक, आईसर कोलकाता, पश्चिम बंगाल, डॉ. एलिजाबेथ थॉमस, सहायक सदस्य सचिव (बायोरिसोर्स एक्सेस) मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, भोपाल (म.प्र.) एवं श्री शुभम सिंह पंकज, तकनीकी विशेषज्ञ, मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, भोपाल (म.प्र.) अधिकारी/कर्मचारी द्वारा भाग लिया गया। कार्यशाला में कुल 57 जी.आई.एम अंतर्गत 18 वनमण्डलों के वनपरिक्षेत्र अधिकारी एवं मास्टर ट्रेनर, वर्किंग प्लान अंतर्गत 08 वनमण्डलों के वनपरिक्षेत्र अधिकारी एवं मास्टर ट्रेनर एवं बोर्ड स्तर से चयनित मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

दिनांक 05.03.2024 को श्री. रविन्द्र मणी त्रिपाठी, वन संरक्षक एवं उप संचालक, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया तथा श्री. प्रदीप वासूदेवा, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं संचालक, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा कार्यशाला में सम्मिलित प्रतिभागियों का स्वागत उद्‌बोधन किया गया।

श्री. व्ही. एन. अम्बाडे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा कार्यशाला के उद्‌देश्यों पर प्रकाश डाला गया एवं जैवविविधिता के स्तर, प्रकार ,महत्व, विनाश के कारण, जैवविविधिता अधिनियम 2002, जैवविविधता प्रबंधन समिति का गठन, कार्य एवं जैवविविधता प्रबंधन समिति के सक्रियकरण पर विस्तार पूर्वक बताया गया।

डॉ. रॉबर्ट जॉन चंद्रन, परियोजना समन्वयक, द्वारा विकसित बॉयोडायवर्सिटी मॉनीटरिंग प्रोटोकॉल का परिचय, प्रोटोकाल में सम्मिलित सभी घटकों, उनका अनुश्रवण एवं प्रोटोकॉल के अन्य तकनीकी घटकों का विवरण प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रदान किया गया। उनके द्वारा प्रोटोकॉल अंतर्गत जैवविविधता प्रबंधन समिति द्वारा उपलब्ध जैवविविधता की मॉनीटरिंग के तरीके पर विस्तार पूर्वक बताया गया। प्रोटोकॉल अंतर्गत सभी तकनीकी घटकों की निम्न जानकारी प्रशिक्षार्थियों को प्रदान की गई–

- जैवविविधता प्रबंधन समिति द्वारा मॉनीटरिंग किए जाने वाले तकनीकी घटक
- समिति द्वारा जानकारी भरें जाने हेतु विभिन्न डाटा शीट के प्रपत्रों कर जानकारी
- पौधों की विविधता – आक्रमक प्रजाति, जंगली खाद्य तथा औषधीय पौधें
- जीव जन्तु विविधता– प्रवासी जल पक्षी, खाने योग्य मछलियां
- कृषि जैवविविधता
- पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं की मॉनीटरिंग की तकनीक।

दिनांक 05.03.2024 को बॉयोडायवर्सिटी मॉनीटरिंग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण में सम्मिलित समस्त प्रशिक्षार्थियों द्वारा दुमना नेचर रिजर्व का भ्रमण किया गया। आईसर कोलकाता की टीम द्वारा प्रशिक्षार्थियों को मैदानी स्तर पर जैवविविधता मॉनीटरिंग संबंधित पौधों की विविधता – आक्रमक प्रजाति, जंगली खाद्य तथा औषधीय पौधों, जीव जन्तु विविधता के नमूना लेने, सैंपलिंग प्लाट बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला अंतर्गत निम्नलिखित सुझाव प्रदान किये गये–

1. विकसित बॉयोडायवर्सिटी मॉनीटरिंग प्रोटोकॉल अंतर्गत डाटा शीट संख्या नं. 07 जंगली खाद्य एवं औषधीय पौधों को संशोधित किया जावें जिसके अंतर्गत Count of individuals of each species to record abundance.
2. आक्रमक प्रजाति, जंगली खाद्य और औषधीय पौधों, प्रवासी पक्षी, जल पक्षियों खाने योग्य मछलियों, जंगली जीवो की Pictorial Guide तैयार की जावे।
3. आईसर कोलकाता द्वारा वन मण्डलों से प्राप्त Compartment history data अंतर्गत पाए जाने वाले पौधो की प्रजातियों की सूची का स्थानीय नाम में किया जाना है।
4. बोर्ड के मास्टर ट्रेनर द्वारा पाएलेट प्रोजेक्ट के आधार पर जैवविविधता प्रबंधन समितियों को चिंहांकित कर जैवविविधता बॉयोडायवर्सिटी मॉनीटरिंग प्रोटोकॉल के क्रियान्वन किया जावे।
5. प्रतिभागियों द्वारा पूछे गये प्रश्नो का निराकरण किया गया।

अंत में श्री. प्रदीप वासूदेवा, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं संचालक द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गये। डॉ. उदय होमकर, राज्य वन अनुसंधान संस्थान द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन किया गया।

ग्रीन इंडिया मिशन विकसित ''बॉयोडायवर्सिटी मॉनीटरिंग प्रोटोकॉल'' अंतर्गत Training of Trainers (TOTs) दो दिवसीय प्रशिक्षण सह–कार्यशाला आयोजित किया गया।

9. दुर्लभ एवं संकटग्रस्त प्राणियों की प्रजातियों के संरक्षण हेतु राष्ट्रीय संगोष्ठी

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड एवं सोसायटी ऑफ नेचर हीलर्स, कंजर्वेशन एंड लोकल टूरिज्म डेवलपमेंट (SNHC), के संयुक्त तत्वाधान में एप्को सभागार, भोपाल में दिनांक 20 एवं 21 जनवरी, 2024 को प्रदेश के माननीय राज्यपाल महोदय श्री मंगुभाई पटेल जी के मुख्य अतिथ्य में 2nd National Conference on - Lesser-Known Species of MP का आयोजन एप्को पर्यावरण परिसर, भोपाल में किया गया। जिसमें MP Forest Department, Bhopal Birds, WTI, EPCO Bhopal, MP Tour and Travels.com, Central Zoo Authority, VNS, Van Vihar, NMNH एवं WWF का सक्रिय योगदान रहा।

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में श्री अभय कुमार पाटिल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, श्री असीम श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी, श्री व्ही. एन. अम्बाड़े, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य जैवविवधता बोर्ड एवं श्री शुभरंजन सेन, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय संगोष्ठी कार्यशाला में कुल 05 तकनीकी सत्रों में कुल 16 प्रस्तुतीकरण किये गये जिसमें Lesser known species में अलग–अलग पहलूओं पर चर्चा की गई जैसे – Biology, ecology, conservation challenges, conservation strategies पर विषय विशेषज्ञों, field researcher /scientists द्वारा अपने प्रस्तुतिकरण दिये गये एवं अनुभव साझा किये गये, जिससे भविष्य में इन प्रजातियों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये जा सकें।

कार्यक्रम के समापन समारोह में दिनांक 20–21 जनवरी 2024 को मुख्य अतिथि के रूप में श्री व्ही. एन. अम्बाड़े, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में श्री आर श्रीनिवास मूर्ति, सेवानिवृत वन अधिकारी एवं श्रीमती संगीता सक्सेना, डायरेक्टर, डब्लू. डब्लू. एफ. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ उपस्थित रहे। कार्यशाला में लगभग 150 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।

2nd National Conference on - Lesser-Known Species of MP
पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) भोपाल में आयोजन किया गया।

10. भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (Science Fiesta) – 2024

आंचलिक विज्ञान केन्द्र, भोपाल में 11–13 जनवरी 2024 तक Science Fiesta-2024 का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारम्भ अनिल कोठारी, महानिदेशक, एमपी काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल के कर कमलों द्वारा एवं आशुतोष कुमार सिंह, निदेशक, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल और उमेश कुमार, निदेशक, नेहरू विज्ञान केंद्र, मुंबई की उपस्थिति में हुआ। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा जैवविविधता प्रदर्शनी स्टॉल के माध्यम से जैवविविधता संरक्षण से संबंधित व्यापक जानकारी प्रदान की गई। प्रदर्शनी में बोर्ड द्वारा स्थापित स्टॉल में कृषि जैवविविधता के अंतर्गत प्रदेश में पाये जाने वाले मोटे अनाजों की विभिन्न पारंपरिक किस्में कोदो, कुटकी, समा, ज्वार, मक्का, गेंहू की किस्में कठिया, लाल गेंहू, काला गेंहू तथा धान की पारम्परिक किस्में जैसे जीराशंकर, विष्णुभोग, चिन्नौर, करगी, भांटाफूल, करधना, लुचई (चावल की किस्में) इत्यादि की अनुवांशिक जैवविविधता का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों से लगभग 2500 छात्र–छात्राओं ने प्रदर्शन स्टॉलों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई इसके साथ विभिन्न क्षेत्रों से संबद्ध जनसमुदाय द्वारा भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम का समापन दिनांक 13.01.2024 को आंचलिक विज्ञान केन्द्र के सभागार में श्रीमति अनुभा श्रीवास्तव कमिश्नर, डीपीआई, भोपाल, श्री गनेश शंकर मिश्रा, एम.डी. ऊर्जा विकास निगम भोपाल एवं डॉ. राजेश शर्मा, वैज्ञानिक आर.आर.सी.ए.टी., इंदौर के द्वारा किया गया। Science Fiesta-2024 के समापन अवसर पर म.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड को प्रतिभागिता प्रमाण–पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान की गई।

विज्ञान महोत्सव–2024 (Science Fiesta-2024) दिनांक 11 से 13 जनवरी 2024 तक आंचलिक विज्ञान केन्द्र, भोपाल में आयोजन किया गया।

11. जिला स्तरीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का एक दिवसीय आयोजन

मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के मार्गदर्शन में दिनांक 1 मार्च 2024 को वन विभाग खंडवा में जिला स्तरीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का एक दिवसीय आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में आर.ओ. एस.डी. ओ– वनरक्षक एवं समस्त कर्मचारी, एस.एन.पी.जी .महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। पी बी आर अध्यतनीकरण पर पी.आई. डॉ शकुन मिश्रा द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। राज्य जैव जैवविविधता बोर्ड भोपाल द्वारा निर्धारित बी एम सी गठन एवं लोक जैवविविधता पंजी अध्यतनीकरण कार्य फॉर्मेट्स की समस्त जानकारियां प्रदान किया गया।

मध्य प्रदेश एस.बी.बी. भोपाल के प्रधान मुख्य वन सरक्षक एवम सदस्य सचिव श्री व्ही एन अंबाडे, डॉ. बकुल लाड, सहायक सदस्य सचिव, श्री शुभम पंकज तकनिकी विशेषज्ञ द्वारा कार्यशाला के अयोजन में सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। जिसमे औषधीय पौधों पर एक स्लाइड शो की प्रस्तुति को पी आई शिवानी सोनी द्वारा दी गई। इस अवसर पर औषधीय पौधों के संरक्षण विषय पर व्याख्यान दिया गया। गिलोय, पढ़ल, अक्कलगार्या, गौलन, कचनार, गधा पलाश, नकछीकनी, सिंदूर, छुई मुई, तुमड़ी के स्पेसिमेन एवं हार्बेरियम की प्रदर्शनी लगाई गई तथा डी.एफ.ओ. एस.डी.ओ– रेंज अधिकारी सभी ने कार्यशाला में भाग लिया गया।

12. असम राज्य जैवविविधता बोर्ड के प्रतिनिधियों का Peer to Peer भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन

असम राज्य जैवविविधता बोर्ड के प्रतिनिधियों का प्रदेश में जैवविविधता आधारित च्ममत जव च्ममत भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 05 एवं 06 मार्च 2024 को आयोजित किया गया। डॉ. बकुल लाड, सहायक सदस्य सचिव (सी.एण्ड.डी), श्री. विवेक पाण्डेय, तकनीकी विशेषज्ञ (ए.बी.एस), सुश्री. शिवानी शर्मा, तकनीकी विशेषज्ञ (पी.बी.आर), मध्यप्रदेश जैवविविधता बोर्ड, भोपाल, एवं डॉ. ओ.सुनन्दा देवी, सांइटिफिक ऑफिसर, एवं सुश्री. रूपाली बरमन, टेक्निकल असिसटेंट, असम जैवविविधता बोर्ड द्वारा

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड कार्यालय में दिनांक 05.03.2024 को आमंत्रित असम जैवविविधता बोर्ड सदस्यों के साथ जैवविविधता प्रबंधन समिति की कार्यशैली को जमीनी स्तर पर जानने के लिए ग्राम पंचायत हिनौती सड़क, जनपद बैरसिया, जिला– भोपाल का भ्रमण किया गया। जैवविविधता प्रबंधन समितियों के सदस्यों द्वारा जैवविविधता प्रबंधन समिति, ग्राम पंचायत हिनौती सड़क, जनपद बैरसिया, भोपाल के सभाकक्ष में अतिथियों का स्वागत किया गया। श्रीमति मथुरा देवी, अध्यक्ष जैवविविधता प्रबंधन समिति द्वारा उपस्थित सदस्यों को उद्बोधित किया गया। बैठक में बी.एम.सी. की अध्यक्ष द्वारा जैवविविधता बोर्ड के सहयोग से बी.एम.सी. द्वारा किए जाने वाले वर्तमान कार्यो एवं मास्टर ट्रेनर द्वारा अन्य सक्रिय गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया।

जैवविविधता प्रबंधन समिति के तत्वाधान से ग्राम पंचायत के विद्यार्थीयों द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जैवविविधता के महत्व को नृत्य द्वारा प्रस्तुत किया गया, साथ ही ग्राम पंचायत की सक्रिय महिलाओं द्वारा जैवविविधता एवं पारंपरिक ज्ञान संबंधित गीतों का प्रदर्शन किया गया। बैठक के पश्चात् पुर्नगठित जैवविविधता प्रबंधन समिति के सहयोग से असम एवं मध्यप्रदेश जैवविविधता बोर्ड के उपस्थित सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा दिनांक 06.03.2024 को बोर्ड कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश में जैवविविधता अधिनियम 2002 एवं मध्यप्रदेश जैवविविधता नियम 2004 के प्रावधानों के अंर्तगत बोर्ड द्वारा जैवविविधता प्रबंधन समिति के सक्रियकरण, लोक जैवविविधता पंजी के अद्यतनीकरण एवं जैव संसाधनों के वाण्ज्यिक उपयोग के फल स्वरूप उद्भुत लाभ प्रभाजन हेतु क्रियांवित विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई गई। डॉ. बकुल लाड, सहायक सदस्य सचिव (सी.एण्ड.डी), द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से शाखा कैपेसिटी बिल्डिग एण्ड डॉक्यूमेन्टेशन की कार्यप्रणाली एवं अन्य गतिविधियों से अवगत कराया गया। लोक जैवविविधता पंजी अद्यतनीकरण की प्रक्रिया, बोर्ड में आयोजित होने वाली विभिन्न कार्यशालाओं, जैवविविधता प्रबंधन समिति एवं मास्टर ट्रेनर के प्रशिक्षण कार्यक्रम अथवा अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों जैसे– राज्य स्तरीय क्विज़ प्रतियोगिता, वन्य प्राणी सप्ताह, अंर्तराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस, अंर्तराष्ट्रीय वन मेला आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया।

श्री विवेक पाण्डेय, तकनीकी विशेषज्ञ (ए.बी.एस) द्वारा जैव संसाधनों के वाण्ज्यिक उपयोग के फल स्वरूप उद्भुत लाभ प्रभाजन हेतु क्रियांवित विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। सुश्री. शिवानी शर्मा, तकनीकी विशेषज्ञ (पी.बी.आर) द्वारा बोर्ड स्तर से आयोजित कार्यक्रमों, जैवविविधता प्रबंधन समितियों के पुर्नगठन/सक्रियकरण की कार्यशालाओं की प्रक्रिया को विस्तार से बताया। बैठक के अंत में आमंत्रित सदस्यों के साथ असम बोर्ड स्तर से हो रही गतिविधियों एवं अन्य कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

असम जैवविविधता बोर्ड के अधिकारी एवं तकनीकी विशेषज्ञों के साथ मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता द्वारा ग्राम पंचायत – हिनौती सड़क बैरसिया भोपाल का क्षेत्र भ्रमण एवं पौधा रोपण कराया गया।

13. जैवविविधता प्रबंधन समितियो की बैठक

1. मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड सहायक सदस्य सचिव सी.एण्ड.डी द्वारा दिनांक 09.01.2024 जे.एस.पी. कॉलेज बालाघाट अंतर्गत जनपद पंचायत में लोक जैवविविधता पंजी अद्यतनीकरण के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।
2. लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा आयोजित ''राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव –2023 का आयोजन पेंच राष्ट्रीय उद्यान जिला सिवनी में 8–10 जनवरी 2023 की अवधि में सम्पन्न किया गया एवं बोर्ड द्वारा प्रकाशित मोगली की पत्रिका का विमोचन कलेक्टर श्री क्षितिज सिंघल एवं अतिथियों द्वारा किया गया।
3. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत – सिरमौर जिला रीवा, जैवविविधता प्रबंधन समिति की चतुर्थ बैठक दिनांक 18.01.2024 को आयोजित की गई।

14. दस्तावेजीकरण

लोक जैवविविधता पंजी अद्यतनीकरण लोक जैवविविधता पंजी का अद्यतनीकरण कार्य पूर्ण बोर्ड में जमा किया गया –

जिले का नाम	स्थनीय निकाय का नाम	जमा दिनांक
जिला – खरगौन	जनपद पंचायत – कसरावद	08.01.2024
जिला – धार	जनपद पंचायत – कुक्षी एवं सरदापुर	18.01.2024

जिले का नाम	स्थनीय निकाय का नाम	जमा दिनांक
जिला – शाजापुर	ग्राम पंचायत – चपाड़िया, चितौनी, मोहम्मदखेड़ा, अजनाई, पटलौड़, बिलखेड़ी, रासलपुर, गरखेड़ी, जामर, किशोनी	29.01.2024
जिला– रीवा	जनपद पंचायत –सिरमौर	14.02.2024
जिला– दमोह	जनपद पंचायत –दमोह	15.02.2024
जिला –खण्डवा	जनपद पंचायत –खालवा	29.02.2024
जिला– झाबुआ	जनपद पंचायत – पेटलावद	
जिला– बैतूल	जनपद पंचायत – शाहपुर	20.03.2024
जिला– इन्दौर	नगर निगम – इन्दौर	27.03.2024

15. परियोजना – अनुसंधान एवं दस्तावेजीकरण

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड की गतिविधियों में अनुसंधान एवं दस्तावेजीकरण एक प्रमुख गतिविधि है, जिसके अंतर्गत जैव विविधता के विभिन्न पहलुओं पर अध्ययन/दस्तावेजीकरण कार्य उपयुक्त संस्थानों/गैर शासकीय संगठनों/विशेषज्ञों से कराया जाता है। मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड की परियोजना अनुमोदन समिति की बैठक दिनांक 12.02.2024 को बोर्ड कार्यालय में आहूत की गई। जिसमें बोर्ड में प्राप्त निम्नलिखित वृहद परियोजना प्रस्ताव को स्वीकृत किया गयाः–

S. No.	Title of Project	Executing Agency	Project Cost (Rs. in Lakh)
01	Conservation of Boabab Tree (*Adsansoni digitata*) through development and extension of its nursery, plantation and conservation techniques in Dhar district of Madhya Pradesh	State Forest Research Institute, Jabalpur	22.37

जैवविविधता समाचार पत्रों में.....

City भास्कर

bhaskarhindi.com

यादगार बना जंगल का सफर, मोगली लैंड को नजदीक से जाना

मोगली मित्र बोले-वन्य जीव और पर्यावरण का महत्व समझा, अंतिम दिन नजर आया बाघ और तेंदुआ

छात्रों ने बताए अनुभव

समापन • राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव

तीन दिनो तक प्रदेश भर के छात्र-छात्राओं ने पेंच पार्क का उठाया लुत्फ

मोगली लैण्ड

संपादक– महेन्द्र देशमुख सिवनी, बुधवार 10 जनवरी से 16 जनवरी 2024 तक

जिले में राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव का आयोजन

पेंच में प्रदेश भर से आये स्कूली बच्चों ने प्रकृति, पर्यावरण, वन्यप्राणी, वन्यजीव व जैवविविधता को निकटता से समझ जंगल सत्याग्रह के इतिहास को जाना

मोगली बाल उत्सव के समापन पर मोगली मित्रों ने सुनाए अनुभव

मोगली के जंगल में बिताए तीन दिन रहेंगे हमेशा याद

स्काउट-गाइड ने किया सहयोग

सिवनी आसपास — नईदुनिया

अंतिम दिन मोगली मित्रों ने देखा बाघ, बनाए चित्र

मोगली बाल उत्सव • तीन दिन में मोगली मित्रों ने वन्य प्राणियों के रहन-सहन, जैवविधितता और पर्यावरण को करीब से जाना

पृष्ठ–4 सिवनी, बुधवार 17 जनवरी से 23 जनवरी 2024 तक मोगली लैण्ड

पेंच में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव का सफलता पूर्वक हुआ समापन

पृष्ठ–4 सिवनी, बुधवार 17 जनवरी से 23 जनवरी 2024 तक मोगली लैण्ड

पेंच में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव का सफलता पूर्वक हुआ समापन

बुक पोस्ट

प्रति,

....

....

....

प्रेषक –

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड
प्रथम तल, किसान भवन,
अरेरा हिल्स, भोपाल – 462011 (मध्यप्रदेश)
फोन : 0755–2554549, 2554539, 2764911
ई–मेल : mpsbb@mp.gov.in
वेबसाईट : www.mpsbb.mp.gov.in

संरक्षक
व्ही. एन. अम्बाड़े
प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं सदस्य सचिव

संपादक मण्डल

डॉ. बकुल लाड
सहायक सदस्य सचिव (सी. एण्ड. डी)

डॉ. एलिजाबेथ थॉमस
सहायक सदस्य सचिव (बायो)

सुमित कुमार जैन
सहायक सदस्य सचिव (प्रशा./वित्त)